



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग 1—खण्ड 1

#### PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

#### PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 256 ]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 13, 2000/कार्तिक 22, 1922

नं. 256]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 13, 2000/KARTIKA 22, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 2000

अंतिम निष्कर्ष

विषय: इंडोनेशिया से थैलिक एनहाइड्राइड (पीएन) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच-अंतिम जांच परिणाम।

सं. 29/1/99-डी जी ए डी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति-निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

#### क. प्रक्रिया:

1. नीचे उल्लिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है) ने दिनांक 31 मार्च, 2000 की अधिसूचना द्वारा इंडोनेशिया (जिसे इसके बाद राष्ट्रद्वारा भी कहा गया है) से थैलिक एनहाइड्राइड (पी.ए.एन.) (जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के संबंध में पाटनरोधी जांच के बारे में प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया था तथा हितवद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन की तारीख रो 40 दिनों के भीतर लिखित रूप से अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था।

ii) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी थी जिनसे पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर प्रारंभिक निष्कर्षों के बारे में अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था ;

iii) प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति नई दिल्ली स्थित इंडोनेशिया के दूतावास को भी इस अनुरोध के साथ भेजी थी कि निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने-अपने विचार उपर्युक्त पैरा (i) और (ii) में यथानिर्धारित समय-सीमा के भीतर भेजने की सलाह दी जाए ।

iv) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया । मौखिक रूप से अपने विचार व्यक्त करने वाली सभी पार्टियों से अनुरोध किया गया था कि वे व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करें । पार्टियों को सलाह दी गई थी कि वे विरोधी पक्षों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों तथा उनके खण्डन, यदि कोई हों, की प्रतियां प्राप्त कर लें । इस प्रकार हितबद्ध पार्टियों से प्राप्त लिखित अनुरोधों पर निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इन निष्कर्षों में विचार किया गया है ।

v) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए अनुरोधों के अगोपनीय अंशोंवाली सार्वजनिक फाइल उनके अनुरोध पर निरीक्षण हेतु उपलब्ध करवाई थी ।

vi) प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क, जिन्हें पहले अधिसूचित किए गए प्रारंभिक निष्कर्षों में प्रकाशित किया है, उन्हें संक्षिप्तता के कारण इसमें दोहराया नहीं गया है । परन्तु, हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रारंभिक निष्कर्षों के बाद में दिए गए तर्कों पर, इन निष्कर्षों में उचित ढंग से विचार किया गया है ।

vii) उपरोक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार, इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार का खुलासा ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को 23.10.2000 को किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत विचार किया गया है ।

viii ) अधिसूचना में \*\*\*\*\* से गोपनीय आधार पर हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत सूचना प्रदर्शित होती है और प्राधिकारी ने उसे नियमानुसार ऐसा ही समझा है ।

ख. याचिकाकर्ता, निर्यातक, आयातक और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार और प्राधिकारी द्वारा उनकी जांच

2. किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने प्राधिकारी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है और न ही उन्होंने कोई सूचना भेजी है ।

याचिकाकर्ताओं और आयातकों ने अपने विचार व्यक्त किए हैं और उनका संक्षेप में नीचे उल्लेख किया गया है :-

(क) याचिकाकर्ताओं के विचारः

( i ) घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की गई क्षति रहित कीमत लगभग 5% तक कम है । याचिकाकर्ताओं ने यह तर्क दिया है कि चूंकि क्षति मार्जिन की अवधारणा अपेक्षाकृत कम शुल्क लगाए जाने के नियम पर आधारित होती है इसलिए, क्षति-रहित कीमत में किसी भी प्रकार की कमी को परिणति कम शुल्क के रूप में होती है भले ही पाटन मार्जिन का निर्धारण काफी उच्च स्तर पर किया गया हो । उन्होंने अनुरोध किया है कि यदि इंडोनेशियाई निर्यातकों ने सहयोग न देने का फैसला किया है तो प्राधिकारी को उनके द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर उत्पादन लागत का निर्धारण करना चाहिए । उन्होंने निदेशालय द्वारा प्रयुक्त उत्पादन लागत के ब्यौरे उपलब्ध कराने का भी अनुरोध किया है ताकि वे निर्धारण के संबंध में अपनी टिप्पणियां, यदि कोई हों, प्रस्तुत कर सकें ।

### प्राधिकारी का विचार:

प्राधिकारी ने गोपनीय अनुबंध- IV के एक भाग के रूप में घरेलू उद्योग को क्षति-रहित कीमत का खुलारा किया है। क्षति-रहित कीमत का निर्धारण करने के तौर-तरीके के मुद्दे पर विचार-विमर्श करने के लिए घरेलू उद्योग और निदेशालय के अधिकारियों के बीच 24.10.2000 को अलग से एक बैठक भी हुई थी। घरेलू उद्योग ने क्षति रहित कीमत के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की है जैसाकि प्रकटन-विवरण पर उनकी टिप्पणी में उल्लेख किया गया है।

( ii ) घरेलू उद्योग ने 2% हैंडलिंग प्रभारों को छोड़कर पहुंच मूल्य के निर्धारण का अनुरोध किया है क्योंकि प्राधिकारी उन मामलों में पहुंच मूल्य की गणना के प्रयोजनार्थ 2% हैंडलिंग प्रभारों पर विचार नहीं कर रहे हैं जिनमें अलग-अलग पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की जाती है।

( iii ) घरेलू उद्योग ने अमरीकी डालर के रूप में निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है।

### (ख) अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

दि इंडियन एसोसिएशन ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

(क) पहली छमाही में पी ए एन के इंडोनेशियाई आयातों की दर भारतीय दूतावास द्वारा प्रस्तुत की गई दर से अधिक है और इससे पी ए एन का कोई पाटन न होने की पुष्टि होती है। अंतिम तीन तिमाहियों में इंडोनेशियाई आयातों की बड़े पैमाने पर भिन्न-भिन्न दरों पर विचार करते समय यह आवश्यक है कि संदर्भाधीन अवधि के लिए स्थानीय इंडोनेशियाई कीमत की तुलना की जाए। आर्थी एक्सीलीन (पी ए एन की निविष्टि) की कीमतों में तेजी से आई गिरावट के कारण उक्त दरे व्यापक रूप से भिन्न-भिन्न रही थीं। इसके अलावा, भारतीय दूतावास भारतीय उत्पादों की स्थानीय कीमतों का निर्धारण करने के लिए सक्षम और समर्थ नहीं है। अतः इंडोनेशिया और अन्य देशों को

होने वाले घरेलू उद्योग के निर्गत का इस्तेमाल सामान्य मूल्य और पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु किया जाना चाहेए ।

(ख) पी ए एन को रूपए के अवमूल्यन और कच्ची सामग्री पर कम उद्ग्रहण अर्थात् आर्थे एकसीलीन पर 15 % की दर से जमा-10% अधिभार, कुल 16.5% और पी ए एन पर 35% की दर से उच्चतम आयात शुल्क जमा अधिभार 10%, कुल 38.5% द्वारा पर्याप्त रूप से संरक्षित किया जाता है । सरकार द्वारा अपनाई गई नीतियों और कर सुधारों के संबंध में चेलैया तथा अन्य समितियों की सिफारिश के अनुसार पी ए एन जैसे मध्यवर्ती उत्पादों पर आयात शुल्क थेलेट प्लास्टिसाइजर्स, जिस पर 38.5% का समान उत्पाद शुल्क लगाया जाता है, से कम रखना होगा । पी ए एन को दिए जाने वाले अनावश्यक संरक्षण से थेलेट प्लास्टिसाइजर्स की कीमतों में होने वाली वृद्धि पहले से ही प्रभावित हो रही है जिससे प्लास्टिसाइजर्स का अधिक आयात हो रहा है । इस प्रकार पी ए एन को पहले से ही उच्चतम संरक्षण मिल रहा है और इंडोनेशिया से भारत को किए गए पी ए एन के निर्यातों पर और अधिक पाटनरोधी शुल्क का वसूल किया जाना न्यायोचित नहीं है ।

(ग) याचिकाकर्ता के आयात संबंधी आंकड़े डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों से भिन्न हैं ।

(घ) 1996-97 और 97-98 के दौरान सभी अन्य देशों से हुए आयातों की कीमत इंडोनेशिया की तुलना में उच्चतर थी जबकि यह अप्रैल-दिसम्बर, 1999 के दौरान अन्य देशों की तुलना में इंडोनेशिया के लिए मामूली सी कम रही है । इससे स्पष्ट तौर पर यह सिद्ध होता है कि जांच अवधि के दौरान इंडोनेशिया से कोई पाटन नहीं हुआ है ।

(ड.) इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों में वृद्धि हुई है और निर्यातों में कमी आई है । इससे यह सिद्ध होता है कि घरेलू बाजार निर्यातों की तुलना में अधिक प्रस्तुती और लाभकारी रहा था । यदि आयातों से रथानीय बाजार प्रभावित हुआ होता तो याचिकाकर्ताओं ने कम से कम निर्यातों के अपने स्तरों को बनाए रखा होता ।

(च) पी ए एन <sup>की</sup> कच्ची सामग्री की कीमतों में गिरावट के परिणामस्वरूप पी ए एन की उत्पादन लागत में कमी आई है जिससे पुनः पी ए एन की कीमतों में कमी हुई है। इस प्रकार, 1998-99 के दौरान कम कीमत पर हुए पी ए एन के आयातों को भारत में पाठन के रूप में नहीं समझा जा सकता।

(ग) उठाए गए मुद्दों की जांच:

3. आयातकों, याचिकाकर्त्ताओं और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच की गई है और उन पर उस सीमा तक ही विचार किया गया है जिस सीमा तक वे नियमों के तहत प्रासंगिक हैं और इस मामले पर प्रभाव डालते हैं तथा इस अधिसूचना में समुचित स्थानों पर उन पर कार्रवाई की गई है।

(घ) प्राधिकारी द्वारा आवश्यक तथ्यों का प्रकटन

4. प्रकटन विवरण-पत्र के उत्तर में व्यक्त किए गए विचारों पर नीचे संगत पैराग्राफों में उस सीमा तक विचार विमर्श किया गया है जिस सीमा तक वे नियमों के अनुसार प्रासंगिक हैं और इस मामले पर प्रभाव डालते हैं।

(ङ.) विचाराधीन उत्पाद:

5. वर्तमान जांच में विचारित उत्पाद इंडोनेशिया के मूल के या वहां से निर्यातित थैलिक एनहाइड्राइड है। थैलिक एनहाइड्राइड (पी ए एन) का थैलिक एनहाइड्राइड फलैक्स, थैलिक एनहाइड्राइड (98 न्यूनतम), थैलिक एसिड एनहाइड्राइड इत्यादि जैसे भिन्न-भिन्न रूपों में भी उल्लेख किया गया है। थैलिक एनहाइड्राइड सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमा शुल्क उप-शीर्ष 2917.3500 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

(च) "घरेलू उद्योग" याचिकाकर्त्ता की स्थिति

6. यह याचिका मैसर्स तिरुमालिया कैमिकल्स लिंग और मैसर्स हरदिलिया कैमिकल्स लिंग द्वारा दायर की गई है जिनका पंजीकृत कार्यालय क्रमशः रानीपैट एवं मुम्बई में है। याचिकाकर्त्ताओं का हिस्सा घरेलू उद्योग में पी ए एन के उत्पादन का 50% से अधिक बनता है। अतः याचिकाकर्त्ताओं का भारत से संबद्ध वस्तु का एक बड़ा हिस्सा बनता है और वे नियमों के अंतर्गत यथा-अपेक्षित घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने के अपेक्षित मापदण्ड को पूरा करते हैं।

छ. समान वस्तुएं

7.(क) पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (घ) में यह विनिर्दिष्ट किया गया है कि 'समान वस्तु' का तात्पर्य ऐसी किसी वस्तु से है जो सभी प्रकार से जांचाधीन उत्पाद के समान अथवा सूदूश हो अथवा ऐसी किसी वस्तु के अभाव में ऐसी अन्य वस्तु से है, जिसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तु की विशेषताओं से अत्यधिक मेल खाती हों ।

(ख) याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित तथा बेचा गया और संबद्ध देश से आयातित थैलिक एनहाइड्राइड की विशेषताएं समान हैं और इन्हें समान वस्तु माना जाना चाहिए । उन्होंने दावा किया है कि यह सरल और समान विनिर्देश वाला मानक उत्पाद है, भारत में तैयार उत्पाद के विनिर्देशन, वैसी ही हैं, जैसे अमरीका, इंडोनेशिया, कोरिया, ताइवान इत्यादि देशों में तैयार उत्पादों के होते हैं । उन्होंने यह भी दावा किया है कि थैलिक एनहाइड्राइड का कोई स्थानापक नहीं हैं जहां तक विनिर्माण प्रक्रिया का संबंध है, याचिकाकर्ता ने स्पष्ट किया कि हमारे द्वारा उत्पादित और विश्वभर के अन्य विनिर्माताओं द्वारा उत्पादित पी ए एन की विनिर्माण प्रक्रिया में कोई खास अंतर नहीं है । प्रक्रिया और संयंत्र समान हैं ।

(ग) प्रारंभिक निष्कर्षों के पश्चात समान वस्तु के संबंध में किसी भी हितबद्ध पार्टी द्वारा कोई तर्क नहीं दिया गया है ।

(घ) इस बात को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयात किया जा रहा थैलिक एनहाइड्राइड सभी प्रकार से समान अथवा सूदूश है और इसकी विशेषताएं अत्यधिक मिलती जुलती हैं और इसलिए ये नियमों के अर्थ के भीतर समान वस्तुएं हैं ।

ओ सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन-इंडोनेशिया:

(क) प्राधिकारी ने नियमों के अनुसार इंडोनेशिया के निर्यातकों को जांच से संबंधित सूचना और अन्य टिप्पणियां, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने के लिए अवसर प्रदान किया । प्राधिकारी ने भारत-स्थित इंडोनेशिया के दूतावास को भी लिखा । तथापि, संबद्ध देश के किसी भी निर्यातक ने सूचना देने के लिए गए प्राधिकारी के अनुरोध का जबाब नहीं दिया है ।

(ख) याचिकाकर्ताओं द्वारा सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में किए गए दावों का आयातकों द्वारा यह कहते हुए विरोध किया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को इंडोनेशिया की स्थानीय कीमतों का निर्धारण भारत से होने वाले निर्यातों जमा इंडोनेशिया में लागू शुल्कों के आधार पर करना चाहिए न कि दूतावास की सूचना के आधार पर । इस संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान मामले में संबद्ध देश के किसी भी निर्यातक ने सूचना के लिए प्राधिकारी के अनुरोध का जबाब नहीं दिया है । इसलिए प्राधिकारी ने नियम 6 (8), यानि सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्रवाई की है । तदनुसार, प्राधिकारी याचिकाकर्ता द्वारा यथा-उपलब्ध इंडोनेशिया स्थित भारतीय दूतावास के

पत्र में निहित इंडोनेशिया में पी ए एन की घरेलू बिक्री कीमत से संबंधित सूचना पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के आधार के रूप में विचार करते हैं ।

(ग) निर्यात कीमत का निर्धारण डी जी सी आई एंड एस कलकत्ता द्वारा संकेतित की गई सूचना के आधार पर किया गया है । भारित औसत निर्यात कीमत को बीमा रखदेशी भाड़े विदेशी भाड़े के लिए समायोजित किया गया है, जैसा कि याचिकाकर्ता द्वारा दावा किया गया है ।

तुलना से संबंधित नियमों में निम्नानुसार प्रावधान है:

“पाटन का मार्जिन निकालते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच एक उचित तुलना करेगा । यह तुलना व्यापार के एक समान स्तर भर, सामान्यतया कारखाना द्वार स्तर पर की जाएगी और यथासंभव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी । जो अंतर कीमत तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण दोष के आधार पर उचित छूट दी जाएगी । उक्त अंतर में बिक्री की शर्तें कराधान व्यापार के स्तर मात्राएं भौतिक विशेषताएं तथा अन्य ऐसे अंतर शामिल हैं जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं ।”

सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना के आधार पर जैसा कि ऊपर निर्धारित किया गया है, उपरोक्त नियम के अनुसरण में इंडोनेशियाई निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन 16.77 प्रतिशत निर्धारित किया गया है ।

### क्षति और कारणात्मक संबंध

- कीमतों पर प्राप्ति  
परिवर्तन कीमतों पर आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कीमत में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आई है या कीमत वृद्धि में अन्यथा रकावट आई है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती ।
- भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच के लिए उपर्युक्त नियमों के अनुलग्नक II (iv) के अनुसार प्राधिकारी ने उन संकेतकों पर विचार किया जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे उत्पादन क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, रस्तोंक, लाभप्रदता, निवल बिक्री आय, पाटन की मात्रा तथा मार्जिन इत्यादि ।
- प्राधिकारी ने पाटित आयातों के अलावा अन्य कारकों अर्थात् गैर-किफायती संयंत्र आकार, निष्क्रियता, कुप्रबंधन अथवा कोई अन्य कारक जोकि उपर बताए गए हैं और जो घरेलू उद्योग को साथ-साथ ही क्षति पहुंच सकते हैं, की भी जांच की ।

घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण सभी आवश्यक कारकों जैसे जांच अवधि के दौरान कच्ची समग्री का उपयोग, क्षमता का उपयोग, निश्चित खपत इत्यादि और वारस्तविक खर्चों का उपर्युक्त विश्लेषण करके किया गया है जिसमें निवेश और क्षमता उपयोग भी शामिल हैं। घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत उत्पादन की इष्टतम लागत पर विचार करके और घरेलू उद्योग द्वारा लगाई गई पूँजी पर प्राप्त आमदनी पर विचार करके निर्धारित की गई है।

#### ठ. क्षति के बारे में निष्कर्ष

1. प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि

(क) उत्पादन और क्षमता उपयोग

याचिकाकर्ता कंपनी का उत्पादन 1996-97 में 33802 मी.टन से बढ़कर 1997-98 में 45040 मी.टन और जांच की अवधि में बढ़कर 45107 मी.टन हो गया।

घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग 1996-97 में 35 प्रतिशत से बढ़कर 1997-98 में 47 प्रतिशत और 1998-99 में 47.18 प्रतिशत हो गया।

(ख) बिक्रियों की मात्रा

	1996-97	1997-98	1998-99 (जांच अवधि)
कुल आयात	3646.09	8422.98	11138.71
घरेलू बिक्रियाँ	2152.00	32481.00	77619.00
कुल प्रत्यक्ष बाजार	24898.09	40903.98	58757.71
कुल प्रत्यक्ष बाजार में कुल घरेलू उद्योग का हिस्सा (%) में	85.36	79.41	81.04

उपर्युक्त चार्ट से यह पता चलता है कि पिछले वर्षों की तुलना में घरेलू उद्योग की बिक्रियों में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है परन्तु याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में प्रत्यक्ष बाजार में हुई वृद्धि की तुलना में बढ़ोतरी नहीं हुई है।

(ग) बिक्री प्राप्तियां

वर्ष 1996-97 के दौरान मै. तिसमलाई कैमिकल्स लि. की निवल औसत बिक्री प्राप्ति 100 प्रतिशत (आधार वर्ष/मी.टन थी जो 1997-98 में घटकर 91.39 प्रतिशत और जांच अवधि में और अधिक घटकर 79.02 प्रतिशत हो गई।

वर्ष 1996-97 के दौरान मै. हरदिलिया कैमिकल्स लि. की औसत निवल बिक्री प्राप्ति 100 प्रतिशत (आधार वर्ष)/मी.टन से घटकर 1997-98 में 87.69 प्रतिशत और जांच अवधि में और अधिक घटकर 70.82 प्रतिशत हो गई

तथापि, जांच अवधि के दौश्रान याचिकाकर्ता कंपनी की बिक्री प्राप्ति इसकी उत्पादन लागत से कम रही थी ।

(घ) लाभ प्रदत्ता

1996-97 के वित्तीय वर्ष के दौरान थैलिक एन हाइड्राइड के प्रचालन से याचिकाकर्ताओं का संयुक्त रूप से लाभ 1519.32 लाख रु. रहा था । वर्ष 1997-98 के दौद्वान यह लाभ घटकर 274.19 लाख रु. रह गया और जांच अवधि अर्थात् 1998-99 के दौरान 1044.80 लाख रु. का घटा हुआ ।

(ङ) अंतः शेष

घरेलू उद्योग का औसत स्टॉक वर्ष 1996-97 में 406 मी.टन से बढ़कर 1997-98 में 8519 मी.टन तथा 1998-99 में पुनः घटकर 4522 मी.टन हो गया ।

(च) कुल आयात

	1996-97	1997-98	1998-99 (जांच अवधि)
भारत में हुए कुल आयात	3646.90	8422.98	11138.71
इंडोनेशिया से हुए आयात	366.78	4124.59	6790.18
कुल आयातों का % (इंडोनेशिया)	10.06	48.97	60.96
कुल प्रत्यक्ष बाजार में इंडोनेशियाई आयातों का हिस्सा प्रतिशत में	1.47	10.08	11.56

उपर्युक्त चार्ट से इंडोनेशिया से हुए आयातों में अत्यधिक वृद्धि प्रदर्शित होती है । कुल आयातों की तुलना में इंडोनेशियाई आयातों का हिस्सा 1996-97 में 10.06 प्रतिशत से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 60.96 प्रतिशत हो गया । कुल प्रत्यक्ष बाजार की तुलना में इंडोनेशिया से हुए आयातों का हिस्सा 1996-97 में 1.47 प्रतिशत के मामूली स्तर से बढ़कर 1997-98 में 10.08 प्रतिशत हो गया और 1998-99 अर्थात् जांच अवधि में बढ़कर 11.56 प्रतिशत हो गया ।

### छ. कीमतों में कमी

इंडोनेशियाई आयातों की कीमतें जो वर्ष 1996-97 में 21.83 रु. प्रतिकिंग्रा. सी. आई. एफ. मूल्य से कम हो गई थी वे 1997-98 के दौरान बढ़कर 23.26 रु. प्रति किंग्रा. सी. आई. एफ. हो गई और जो जांच अवधि के दौरान इनमें 16.98 रु. प्रति किंग्रा. सी. आई. एफ. तक की भारी गिरावट आई।

### (ज) रोजगार

वर्ष 1996-97 के दौरान याचिकाकर्ता की जनशक्ति 267 थी जो 1997-98 में बढ़कर 372 और जांच अवधि में और अधिक बढ़कर 383 हो गई।

उपर्युक्त के अतिरिक्त प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इंडोनेशिया से होने वाले आयातों में तेजी से वृद्धि हुई है। यह वृद्धि वर्ष 1996-97 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 18 गुणा अधिक है। याचिकाकर्ता के इस दावे को किसी भी हितबद्ध पक्ष ने चुनौती नहीं दी है कि निर्यातकों के पास मुक्त रूप से निपटान करने की क्षमता है। उपर्युक्त पैरा ज से यह पता चलता है कि न केवल बिक्री प्राप्ति पर अपितु मार्जिनों पर भी अत्यधिक कीमत न्यूनकारी प्रभाव पड़ा है। याचिकाकर्ताओं की सामान द्वारियों में भी वर्ष 1996-97 की तुलना में जांच अवधि में वृद्धि हुई है। प्राधिकारी यह पाते हैं कि इन मापदण्डों से सामूहिक और संचयी रूप से यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देश से क्षति पहुंचने का खतरा है।

2. अतः प्राधिकारी उपरोक्त से यह नोट करते हैं कि संबद्ध देश से आयात घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से कम कीमत पर किए गए हैं। इसके अलावा, भारत में आयात घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम कीमत पर किए गए हैं। इसके परिणामस्वरूप याचिकाकर्ताओं को अपनी क्षति रहित कीमत से काफी कम कीमत पर अपने उत्पाद की बिक्री करने के लिए बाध्य होना पड़ा था जिसकी वजह से याचिकाकर्ताओं को वित्तीय हानि हुई। याचिकाकर्ताओं को कुल प्रत्यक्ष बाजार की तुलना में क्षमता उपयोग के स्तर को बढ़ाने से भी रोका गया था।

ये मापदण्ड सामूहिक एवं संचयी रूप से यह संकेत देते हैं कि पाटित आयातों के कारण याचिकाकर्ताओं को वास्तविक क्षति/क्षति का खतरा हुआ है।

### ड. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

- सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है, जिससे याचिकाकर्ता कंपनियों को क्षति हो रही है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल करना है, जो कि देश के सामान्य हित में है।
- यह माना गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तु के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब, जबकि लगाया जाने वाला पाटनरोधी शुल्क

याचिकाकर्ता कंपनी को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक राशि तक ही सीमिति कर दिया जाए। इसके विपरीत पाटनरोधी शुल्क लगाने से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभों को समाप्त किया जा सकेगा, याचिकाकर्ता कंपनी के हास को रोका जा सकेगा और थैलिक एनहाइट्राइड के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहेंगे। पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

3. याचिकाकर्ता कंपनी को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा का पता लगाने के लिए प्राधिकारी याचिकाकर्ता कंपनी के लिए भारत में थैलिक एनहाइट्राइड की भारित औसत क्षति-रहित कीमत पर विश्वास किया है और संबंध में याचिकाकर्ता कंपनी के लिए क्षमता उपयोग के इष्टतम स्तर इष्टतम उत्पादन लागत पर विचार किया है।

### पहुंच मूल्यः

सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के तहत वसूल किए गए शुल्कों को छोड़कर सीमा शुल्क के प्रचलित स्तर और एक प्रतिशत उत्तराई प्रभार लगाने के बाद भारित औसत निर्यात कीमत पर विचार करते हुए इंडोनेशिया से हुए आयातों के पहुंच मूल्य का निर्धारण किया गया है।

### (द) अंतिम निष्कर्ष

पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:-

(क) संबद्ध देश के मूल के या वहां से निर्यातित थैलिक एनहाइट्राइड का भारत को निर्यात उसके मूल्य से कम कीमत पर किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है,

(ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है/क्षति का खतरा पेदा हुआ है,

(ग) इंडोनेशिया के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

(घ) उपरोक्त को देखते हुए, प्राधिकारी अध्याय 29 (सीमा शुल्क उप-शीर्ष 2917.3500) के अंतर्गत आने वाले इंडोनेशिया के मूल के या वहां से निर्यातित थैलिक एनहाइड्राइड के सभी आयातों पर निश्चययात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

(ङ.) पाटनरोधी मार्जिन के बराबर या इससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने पर विचार किया गया था जिसे यदि लगाया जाता है, तो इससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। इस उद्देश्य के लिए अलग-अलग निर्यातकों के लिए आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से की गई थी। जहां कही यह अंतर पाटन मार्जिन से कम पाया गया था, वहां पाटन मार्जिन से कम शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

(च) तदनुसार, संबद्ध देश के मूल के या वहां से निर्यातित थैलिक एनहाइड्राइड के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्कों को लगाया जा सकता है। पाटनरोधी शुल्क ५५.२७ अमरीकी डालर प्रति मीट्रिक टन होगा।

(छ) उपरोक्त के अधीन रहते हुए प्राधिकारी दिनांक 31 मार्च, 2000 के प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

(ज) उपरोक्त अधिनियम के अनुसार इस आदेश के खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायधिकरण के समक्ष की जा सकती है।

ए. वी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 13th November, 2000

**Sub:- Anti Dumping investigation concerning imports of Pthalic Anhydride (PAN) from Indonesia – Final Findings.**

**29/1/99-DGAD** - Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:-

**A. PROCEDURE:**

1. The procedure described below has been followed
  - i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified preliminary findings vide notification dated the 31<sup>st</sup> March, 2000 on anti-dumping investigation concerning imports of Pthalic Anhydride (PAN)( hereinafter also referred to as subject goods) from Indonesia (hereinafter referred to as subject country) and requested interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
  - ii) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter,
  - iii) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassy of Indonesia in New Delhi with a request that the exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings in the time frame as stipulated in (i) and (ii) above;
  - iv) The Authority provided opportunity to all interested parties to present their views orally. All parties presenting their views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were

advised to collect copies of the views expressed by opposing parties and offer rebuttals, if any. The written submissions thus received from interested parties have been considered by Designated Authority in this finding.

- (v) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of the submissions, submitted by various interested parties, for inspection, upon request;
- (vi) Arguments raised by interested parties before announcing of preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified earlier have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties after preliminary findings have been appropriately dealt in this findings;
- (vii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to the known interested parties on 23.10.2000 and comments received on the same have also been duly considered in these findings.
- (viii) \*\*\*\*\* in the Notification represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by Authority under the Rules.

**B. VIEWS OF PETITIONER, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY AUTHORITY:**

2. None of the exporters/producers have responded to the questionnaire forwarded by the Authority nor have furnished any information.

The petitioners and importers have expressed their views, and the same are briefly mentioned below:-

**(a) PETITIONERS' VIEWS:**

- (i) The non-injurious price determined by the Authority is less by about 5% as per information supplied by the domestic industry. The petitioners have argued that as the concept of the injury margin is based on the lesser duty rule any reduction in the non-injurious price results in a lower duty even though dumping margin is determined to a much higher degree. They have requested that in case the Indonesian exporters have decided not to cooperate, the Authority should redetermine the cost of production on the basis of information supplied by them. They have also requested to make available the details of cost of production used by the Directorate so that they could submit their comments, if any, on the determination.

### Authority Position

The Authority has disclosed the Non-Injurious Price to the Domestic Industry as part of confidential Annexure iv. A separate meeting was also held as on 24.10.2000 between domestic industry and officials of Directorate to discuss the issue of methodology for determination of Non-Injurious Price. Domestic Industry has no comments on non-injurious price, as mentioned in their comment to disclosure statement.

- (ii) The domestic industry has requested for determination of landed value by excluding 2% handling charges as the Authority is not considering 2% handling charges for the purpose of calculation of landed value in the cases where variable anti dumping duties are recommended.
- (iii) The domestic industry has requested for fixed anti dumping duty in US dollar terms.

### (b) VIEWS OF THE OTHER INTERESTED PARTIES

The Indian Plasticizers Manufacturers Association has made the following submissions:-

- (a) The rate of Indonesian imports of PAN in the first quarter is higher than that furnished by the Indian Embassy and this establishes no dumping of PAN. Considering vast variation in the rates of Indonesia imports in the last three quarters, it is essential that the comparison be made of the local Indonesian price to the period it refers to. There was a wide variation in the rates due to rapid fall in the prices of Ortho Xylene (input of PAN). In addition to that Indian Embassies are not equipped and competent to determine the local prices of industrial products. Therefore, export of domestic industry to Indonesia and other countries should have been used for determination of normal value and dumping margin.
- (b) PAN is adequately protected by rupee devaluation and lower levies on raw material, namely, Ortho Xylene @ 15% plus 10% surcharge totaling 16.5% and the highest import duty on PAN @ 35% plus surcharge 10% totally 38.5%. As per the Government accepted policies as well as Chelliah and other Committees recommendation on Tax Reforms, the import duty on intermediates like PAN has to be lower than the Phthalate Plasticizers attracting the same import duty of 38.5%. This undue protection to PAN is already affecting the increase in the prices of Phthalate Plasticizers leading to larger imports of the Plasticizers. Thus PAN is already enjoying the highest protection and there are no justifications for further levy of Anti-Dumping Duty on Imports of PAN to India from Indonesia.
- (c) Import data of the petition is at variance with that published by DGCI&S.

- (d) The price of imports from all other countries were higher during 1996-97 and 1997-98 vis-à-vis Indonesia whereas it has been slightly low for Indonesia vis-à-vis other countries during April-December, 1999. This clearly established that there has been no dumping from Indonesia during the period of investigation.
- (e) Over the period, the domestic industry's domestic sales have increased and exports have come down. It establishes that home market was more lucrative and profitable than exports. Had the imports affected the local market, the petitioners would have at least kept up their levels of exports.
- (f) The decline in raw material prices of PAN has resulted in lowering the cost of production of PAN further resulting in lowering of the prices of PAN. Thus the imports of PAN during 1998-99 at lower prices cannot be treated as dumping to India.

**C. EXAMINATION OF ISSUES RAISED:**

- 3. The submissions made and the issues raised by the importers, petitioners and other interested parties have been examined and considered only to the extent they are relevant under the Rules and have a bearing on this case and dealt with at appropriate places in the notification.

**D. DISCLOSURE OF ESSENTIAL FACTS MADE BY THE AUTHORITY**

- 4. The views raised in response to the disclosure statement are discussed in the relevant paras herein below to the extent these are relevant as per rules and have a bearing on the case.

**E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION:**

- 5. The product considered in the present investigation is Pthalic Anhydride originating in or exported from Indonesia. Pthalic Anhydride (PAN) also variously referred to as Pthalic Anhydride Flakes, Pthalic Anhydride (98% min.), Pthalic Acid Anhydrous etc. Pthalic Anhydride is classified under the Custom Sub heading 2917.3500 of the Custom Tariff Act, 1975. The classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

**F. "DOMESTIC INDUSTRY" STANDING OF THE PETITIONER**

- 6. The petition has been filed by M/s. Thirumalia Chemicals Ltd. and M/s Herdillia Chemicals Ltd. having its Registered Office at Ranipet and Mumbai respectively. The petitioners account for more than 50% of production of PAN in the domestic industry. Therefore, the petitioners account for a major proportion of the subject goods in India and fulfil the requisite criteria to represent the domestic industry, as required under the Rules.

**G. LIKE ARTICLES:**

7. (a) Rule 2(d) of the Anti-Dumping Rules specifies that "Like Articles" means an article which is identical or alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an article, another article, having characteristics closely resembling those of the articles under examination.

(b) The petitioner has claimed that the Pthalic Anhydride produced and sold by them and those imported from the subject country have similar characteristics and should be treated as Like Articles. They have claimed that this is a standard product with simple and uniform specifications; products made in India, is of the same specifications as those made in USA, Indonesia, Korea, Taiwan, etc. They have also claimed that there is no substitute of Pthalic Anhydride. Regarding manufacturing process, Petitioner explained that there is no major difference in the manufacturing process of PAN being produced by us and that produced by other manufacturers worldwide. The process and plants are identical.

(c) No argument has been raised by any of the interested parties with regards to Like Article after preliminary findings.

(d) In view of the same, the Authority holds that Pthalic Anhydride being produced by the domestic industry and those being imported from the subject country are identical or alike in all respects and having characteristics closely resembling, and therefore, are Like Articles within the meaning of the Rules.

**J. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE & DUMPING MARGIN INDONESIA:**

(a) The Authority provided opportunity to the exporters from Indonesia to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Rules. The Authority also wrote to the Embassy of Indonesia in India. However, none of the exporters from the subject country has responded to the Authority's request for information.

(b) The claims made by the petitioners with regard to determination of normal value has been disputed by the importers stating that the Designated Authority should have determined the Indonesian local prices based on the exports from India plus levies applicable in Indonesia rather than on the basis of Embassy's information. In this regard, the Authority notes that in the present case none of the exporters from the subject country has responded to the Authority's request for information. The Authority, therefore, proceeded on the basis of Rule 6(8), i.e., best information available. Accordingly, the Authority considers the information relating to the domestic selling price of PAN in Indonesia, contained in the letter of Indian Embassy in Indonesia as provided by the petitioner as the basis for determination of Normal Value.

(c) The export price has been determined on the basis of the information compiled by the DGCI&S, Calcutta. The weighted average export price has been adjusted for insurance, inland freight, overseas freight as claimed by petitioner.

The Rules relating to comparison provides as follows:

"While arriving at margin of dumping, the designated authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability."

Based on the comparison of the Normal Value and the Export Price, as determined above, in pursuance of the above Rule, the dumping margin in respect of Indonesian exporters is determined at 16.77%.

#### INJURY & CAUSAL LINK:

1. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
2. For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.
3. The authority has also examined factors other than dumped imports viz. uneconomical plant size, inefficiencies, mismanagement, or any other factors etc. as cited which might be injuring the domestic industry at the same time.

The non-injurious price for the domestic industry has been determined by making appropriate analysis of all relevant factors like usage of raw material, usage of utilities, captive consumption, etc. and the actual expenses during the period of investigations including the investments and capacity utilization. The non-injurious price of domestic industry has been determined by considering the optimum cost of production and considering the reasonable return on the capital employed by the domestic industry.

**L. CONCLUSION ON INJURY**

1. The Authority concludes that

(a) **PRODUCTION & CAPACITY UTILISATION:**

The production of the petitioner company has increased from 33802 MT in 1996-97 to 45040 MT in 1997-98 to 45107 MT in the period of investigation.

Capacity utilisation of the domestic industry has increased from 35% in 1996-97 to 47% in 1997-98 to 47.18% in 1998-99.

(b) **SALES QUANTITY:**

	1996-97	1997-98	1998-99 (P O I)
Total Imports (MT)	3646.09	8422.98	11138.71
Domestic Sales (MT)	21252.00	32481.00	77619.00
Total Apparent Market	24898.09	40903.98	58757.71
Stake of Domestic Industry in total apparent market (in %)	85.36	79.41	81.04

The above chart shows that sales of the domestic industry has increased during the period of investigation as against previous years, but the petitioner's market share has not increased as compared to growth in apparent market.

(c) **SALES REALISATION:**

The average net sales realisation of M/s Thirumalai Chemicals Ltd during 1996-97 was 100% (base year)/MT declined to 91.39% in 1997-98 further declined to 79.02% during the period of investigation.

The average net sales realisation of M/s Herdillia Chemicals Ltd during 1996-97 was 100% (base year)/MT declined to 87.69% in 1997-98 further declined to 70.82% during the period of investigation.

However, the sales realisation of the Petitioners' Company during the period of investigation was below its cost of production.

(d) **PROFITABILITY:**

During the financial year 1996-97 the profit of the petitioners company jointly from the Pthalic Anhydride operation was Rs.1519.32 lacs. The profit reduced to Rs.274.19 lacs during the year 1997-98 gone into loss 1044.80 lacs during the year 1998-99 i.e. period of investigation.

(e) **CLOSING STOCK**

The average stock of the domestic industry has increased from 406 MT in 1996-97 to 8519 MT in 1997-98 further reduced to 4522 MT in 1998-99.

(f) **TOTAL IMPORTS:**

	1996-97	1997-98	1998-99 (P O I)
Total Imports in India	3646.90	8422.98	11138.71
Imports from Indonesia	366.78	4124.59	6790.18
% of Total Imports (Indonesia)	10.06	48.97	60.96
Share of Indonesian Imports in total apparent market in %	1.47	10.08	11.56

The above chart shows a significant increase in imports from Indonesia. The share of Indonesian imports as against total imports has increased from 10.06% in 1996-97 to 60.96% during the period of investigation. The share of imports from Indonesia as compared to total apparent market have grown from an insignificant 1.47% in 1996-97 to 10.08% in 1997-98 and 11.56% in 1998-99, i.e. period of investigation.

(g) **PRICE SUPPRESSION:**

The prices of Indonesian imports fell from Rs.21.83 per kg CIF in 1996-97 has increased to Rs.23.26 per kg. CIF during 1997-98 drastically came down to Rs.16.98 per kg CIF during period of investigation.

(h) **EMPLOYMENT**

The manpower of petitioners was 267 in 1996-97 increased to 372 during 1997-98 further increased to 383 during period of investigation.

Apart from the above, Authority also notes that imports from Indonesia has increased sharply. The increase is more than 18 times during period of investigation as compared to 1996-97. Petitioner's claim that exporters have freely disposable capacity has not been challenged by any interested parties. Para (g) above also shows that there is a significant depressing price effect on not only sales realisation but also margins. The inventories of the petitioners have also increased during period of investigation as compared to 1996-97.

The Authority finds that these parameters collectively and cumulatively indicate that there is a threat of injury from the subject country.

2 The Authority, therefore, notes from the above that the imports from the subject country have been at a price below the selling prices of the domestic industry. Further, the imports into India have been at a price lower than the non-injurious price for the domestic industry. As a consequence thereof the petitioners were forced to sell its product at a price significantly below its non-injurious price resulting in financial losses to the petitioners. The petitioners were also prevented from increasing the level of capacity utilisation as compared to the total apparent market.

These parameters collectively and cumulatively indicate that the petitioners have suffered material injury/threat of injury due to the dumped imports.

**M. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES**

1. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the petitioner companies and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.
2. It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the petitioners' company. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the petitioners' company and help maintain availability of wider choice to the consumers of Pthalic Anhydride. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
3. To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the petitioners' company, the Authority has relied upon weighted average non - injurious price of Pthalic Anhydride in India for the petitioners' company, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the petitioners' company.

**LANDED VALUE:**

Landed value of imports from Indonesia is determined considering the weighted average export price after charging the prevailing level of customs duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975 and one percent landing charges.

## N. FINAL FINDINGS

The Authority, after considering the foregoing, concludes that:

- (a) Pthalic Anhydride originating in or exported from the subject country has been exported to India below its normal value, thereby resulting in dumping;
- (b) The domestic industry has suffered material/threat of injury;
- (c) The injury has been caused to the domestic industry by dumping of the subject goods originating in or exported from Indonesia;
- (d) In view of the above, the Authority recommends imposition of definite anti-dumping duty on all imports of Pthalic Anhydride falling under chapter 29 (Custom Sub-heading 2917.3500) originating in or exported from Indonesia.
- (e) It was considered to recommend the amount of Anti-Dumping Duty equal to the dumping margin or less which, if levied, would remove the injury to the domestic industry. Landed value of the imports for individual exporters, for the purposes, were compared with the non-injurious selling price of the domestic industry, determined for the period of investigation. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended.
- (f) Accordingly, anti-dumping duties may be imposed, on all imports of Pthalic Anhydride originating in or exported from the subject country. The anti-dumping duty shall be US\$ 44.27/MT.
- (g) Subject to the above, the authority confirms the Preliminary Findings dated 31<sup>st</sup> March, 2000.
- (h) An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

L V. SAPTHARISHI, Designated Authority

